YG1WSGB

संकलित परीक्षा - I (2014)

हिन्दी 'अ'

कक्षा - IX

निर्धारित समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ**।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड-क

(अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के विकल्प छाँटकर लिखिए —** 5

जो विद्यार्थी आगे जाकर भारतीय इतिहास एवं संस्कृति का गहन अध्ययन करना चाहते हैं, उनके लिए तो पुरालिपियों का ज्ञान परमावश्यक ही है। पुरालिपि का ज्ञान होने से कोई भी व्यक्ति मूल अभिलेखों को स्वयं पढ़ सकता है। जैसे, यदि किसी को प्राकृत भाषा का ज्ञान हो तो दो-तीन घंटे के भीतर ब्राह्मी लिपि सीखकर वह अशोक के अभिलेख आसानी से पढ़-समझ सकता है।

उर्दू की लिपि को छोड़कर हमारे देश की सारी लिपियाँ एक मूल लिपि ब्राह्मी से विकसित हुई हैं। ब्राह्मी लिपि को जान लेने के बाद आगे के विकसित ब्राह्मी अक्षरों को भी धीरे-धीरे सीखा जा सकता है।

(1) पुरालिपियों का ज्ञान होना आवश्यक है, उनके लिए जो पढ़ना चाहते हैं, :

(क) भारतीय इतिहास व संस्कृति (ख) वैदिक संस्कृति

(ग) साहित्येतिहास (घ) पुराणेतिहास

(2) अशोक के अभिलेख क्या सीखकर पढ़े जा सकते हैं :

(क) प्राकृत भाषा (ख) ब्राह्मी लिपि

(ग) उर्दू भाषा (घ) आर्य भाषा

(3) प्राय: सभी लिपियाँ विकसित हुई हैं :

(क) देवनागरी से (ख) फ़ारसी से

(ग) ब्राह्मी से (घ) कैथी से

(4) भारतीय शब्द का मूल शब्द और प्रत्यय हैं :

(क) भार + तीय (ख) भारत + ईय

(ग) भारत + इय (घ) भारती + य

(5) उपयुक्त गद्यांश का शीर्षक हो सकता है :

(क) भारतीय इतिहास (ख) लिपियाँ

(ग) अभिलेख-अध्ययन (घ) लिपि ज्ञान

2 **प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

घर फूँकने का अर्थ है धन और मान का मोह त्याग करना, भूत और भविष्य की चिंता छोड़ देना और सत्य के सामने सीधे खड़े होने में जो कुछ भी बाधा हो, उसे विनम्रतापूर्वक ध्वंस कर देना। पर सत्यों का सत्य यह है कि कबीरदास के साथ चलने की प्रतिज्ञा करने के बाद भी लोग घर नहीं फूँक सके। मठ बने, मंदिर बने, प्रचार के साधन आविष्कार किए गए और उनकी महिमा बताने के लिए अनेक पोथियाँ रची गईं। इस बात का बराबर प्रयत्न होता रहा और अपने इर्द गिर्द के समाज में कोई यह न कह सके कि इसका अमुक कार्य सामाजिक दृष्टि से अनुचित है। अर्थात् विद्रोह बनने की प्रतिज्ञा भूल गए, सुलह और समझौते का रास्ता स्वीकार कर लिया और आगे चलकर 'गुरुपद' पाने के लिए हाई कोर्ट की भी शरण ली गई। यह कह देना कि सब गलत हुआ, कुछ विशेष काम की बात नहीं हुई। क्यों यह गलती हुई ? माया से छूटने के लिए माया के प्रपंच रचे गए, यह सत्य है। कबीर पंथ का नाम तो यहाँ इस लिए आ गया है कि ये बातें कबीर पंथी साहित्य पढ़ते-पढ़ते मेरे मन में आई हैं, नहीं तो सभी महापुरुषों के प्रवर्तित मार्गों की यही कहानी है। माया का जाल छुड़ाए नहीं छूटता, यह इतिहास की चिरोद्घोषित वार्ता सब देशों और सब कालों में समान भाव से सत्य रही है

(क) घर फूँकने का अर्थ हैं-

(i) धन और मान का मोह करना।

(ii) भूत और भविष्य की चिंता करना।

(iii) सत्य के सामने सीधे खड़े होने में आने वाली बाधाओं को विनम्रतापूर्वक ध्वंस करना। (iv) सत्य का सामना न करना।

(ख) कबीर दास के साथ चलने वाले लोग प्रतिज्ञा करने के बाद भी क्या नहीं फूँक सके?

(i) घर न फूँक सके। (ii) मठ न फूँक सके।

(iii) झोपड़ी न फूँक सके। (iv) चूल्हा न फूँक सके।

(ग) पोथियों को लिखने का उद्देश्य था-

(i) परवर्ती लोगों की महिमा को बताना।

(ii) परवर्ती लोगों की महिमा को छिपाना।

(iii) परवर्ती लोगों को आदर्शरूप में प्रस्तुत करना।

(iv) परवर्ती लोगों की आलोचना करना।

(घ) 'गुरु पद' का अर्थ है -

(i) गुरु का पद। (ii) महत्वपूर्ण पद।

(iii) सामान्य पद। (iv) अति सामान्य पद।

(ङ) माया से छूटने के लिए रचे गए-

(i) जीवन के प्रपंच। (ii) माया के प्रपंच।

(iii) लोगों के प्रपंच। (iv) समाज के प्रपंच।

3 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चयन करके लिखिए —** 5

क्षमा, दया, तप, त्याग, मनोबल,
सबका लिया सहारा।
पर नर-व्याघ्र सुयोधन तुमसे
कहो, कहाँ कब हारा ?
क्षमाशील हो रिपु समक्ष
तुम हुए विनत जितना ही।
दुष्ट कौरवों ने तुमको
कायर समझा उतना ही।।
क्षमा शोभती उस भुजंग को,
जिसके पास गरल हो।
उसको क्या, जो दंतहीन,
विषरहित, विनीत, सरल हो।

(i) कविता में सुयोधन कहा गया है —

(क) युधिष्ठिर को (ख) कर्ण को

(ग) भीम को (घ) दुर्योधन को

(ii) युधिष्ठिर ने दुर्योधन को राजी करने के लिए निम्नांकित में से किन-किन का सहारा लिया था ?

(क) दया, तप और मनोबल का

(ख) मनोबल, क्षमा और त्याग का

(ग) त्याग, तप, मनोबल, दया और क्षमा का

(घ) मनोबल, त्याग और क्षमा का

(iii) काव्यांश के अनुसार पांडवों की विनम्रता को कौरवों ने क्या समझ लिया था ?

(क) दुष्टता (ख) कायरता (ग) वीरता (घ) दीनता

(iv) किसी को क्षमा-प्रदान करने का सच्चा अधिकारी वही हो सकता है, जो —

(क) सरल व विनम्र हो।

(ख) उद्दंड हो एवं कष्ट पहुँचाने की सामर्थ्य रखता हो।

(ग) विनम्र होने के साथ उसी तरह हानि और कष्ट पहुँचाने की सामर्थ्य रखता हो।

(घ) सरल व बुद्धिमान हो।

(v) काव्यांश में 'नर-व्याघ्र' विशेषण प्रयुक्त हुआ है —

(क) दुर्योधन के लिए (ख) युधिष्ठिर के लिए

(ग) भीम के लिए (घ) कृष्ण के लिए

4 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए—** 5

अब न गहरी नींद में तुम सो सकोगे,
गीत गाकर मैं जगाने आ रहा हूँ।
अतल अस्ताचल तुम्हें जाने न दूँगा,
अरुण उदयाचल सजाने आ रहा हूँ।

कल्पना में आज तक उड़ते रहे तुम,
साधना से सिहरकर मुड़ते रहे तुम।
अब तुम्हें आकाश में उड़ने न दूँगा,
आज धरती पर बसाने आ रहा हूँ।

सुख नहीं यह, नींद में सपने सँजोना,
दुख नहीं यह, शीश पर गुरु भार ढोना।
शूल तुम जिसको समझते थे अभी तक,
फूल मैं उसको बनाने आ रहा हूँ।

(i) कवि किसे जगाने का प्रयत्न कर रहा है ?

(क) असावधान व बेखबर लोगों को (ख) छोटे बच्चों को

(ग) अपने भाई-बहनों को (घ) गहरी नींद में सोए हुए को

(ii) 'अस्ताचल में जाने न दूँगा' स कवि का क्या तात्पर्य है —

(क) सूर्य छिपता जा रहा है (ख) पतन की राह पर न चलने देना

(ग) अकेले नहीं जाने देना (घ) सूर्य की लालिमा का वर्णन

(iii) ''साधना से सिहरकर मुड़ते रहे तुम'' में अलंकार है —

(क) अनुप्रास (ख) यमक (ग) श्लेष (घ) रूपक

(iv) ''दुख नहीं यह शीश पर गुरु भार लेना'' का भाव है —

(क) बड़े काम करना अच्छा होता है

(ख) संघर्षों को दुख नहीं मानना चाहिए

(ग) संघर्ष करना होगा

(घ) काम करना दुखपूर्ण नहीं होता है

(v) कवि अज्ञानियों को धरती पर किस-प्रकार बसाना चाहता है ?

(क) ज्ञान देकर (ख) धन-धान्य से मदद करके

(ग) यथार्थ से परिचित करवा कर (घ) मकान बनाकर दे रहा है

खण्ड-ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

5 **निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।** 7

(क) 'निर्यात' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।

(ख) 'परा' उपसर्ग लगाकर दो शब्द बनाइए।

(ग) 'पढ़ाई' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

(घ) 'क' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

(ङ) **निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए।**

(I) दिगंबर (II) नीलकमल (III) चक्रधर

6 (i) **अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों की पहचान कर उनके भेद लिखिए :** 4

(क) भगवान आपको सद्‌बुद्धि दे।

(ख) आपका क्या नाम है?

(ii) **निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए :**

(क) क्या कक्षा में छात्र शांतिपूर्वक बैठे हैं? (आज्ञावाचक)

(ख) वाह! कितना सुंदर दृश्य है। (विधानवाचक)

7 **निम्नलिखित पद्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों को पहचान कर उनके नाम लिखिए —** 4

(क) मधुबन की छाती देखो, सूखी इसकी कितनी कलियाँ।

(ख) तू मोहन के उरबसी हवै उरबसी समान।

(ग) चारू चंद्र की चंचल किरणें।

(घ) मखमल के झूले पड़े हाथी-सा टीला।

खण्ड-ग

(पाठ्य-पुस्तक)

8 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (2+2+1)** 5

दढ़ियल झल्लाकर बैलों को ज़बरदस्ती पकड़ ले जाने के लिए बढ़ा। उसी वक्त मोती ने सींग चलाया। दढ़ियल पीछे हटा। मोती ने पीछा किया। दढ़ियल भागा। मोती पीछे दौड़ा। गाँव के बाहर निकल जाने पर वह रुका; पर खड़ा दढ़ियल का रास्ता देख रहा था, दढ़ियल दूर खड़ा धमकियाँ दे रहा था, गालियाँ निकाल रहा था, पत्थर फेंक रहा था। और मोती विजयी शूर की भाँति उसका रास्ता रोके खड़ा था। गाँव के लोग यह तमाशा देखते थे और हँसते थे।

(i) दढ़ियल कौन था और वह बैलों के पीछे क्यों पड़ा था ?

(ii) मोती अपने आपको शूर कब और क्यों समझने लगा था ?

(iii) गाँव के लोग किस तमाशे को देख रहे थे ?

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

9(i) उपभोक्तावादी संस्कृति में मानव का चरित्र कैसे प्रभावित हो रहा है ? 2

(ii) 'अवश्य ही उसमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है' प्रस्तुत पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(iii) सालिम अली की दृष्टि में पक्षियों का संगीत सुनकर भी लोगों को रोमांच क्यों नहीं होता ? 2

(iv) 'नम्से' कौन थे ? उनकी चार चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 2

(v) लेखक प्रेमचंद के अनुसार मूक प्राणी मनुष्य से श्रेष्ठ क्यों हैं? 2

10	**प्रस्तुत पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए। (2+2+1)** हँसमुख हरियाली हिम-आतप सुख से अलसाए -से सोए, भींगी आँधियाली में निशि की तारक स्वप्नों में -से खोए- मरकत डिब्बे सा खुला ग्राम- जिस पर नीलम नभ आच्छादन- निरुपम हिमांत में स्निग्ध शांत निज शोभा से हरता जन-मन। (क) तारों भरी रात का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। (ख) ग्राम की तुलना मरकत डिब्बे से क्यों की गई है ? (ग) गाँव की कौन-सी शोभा जन-मन को हर रही है ?	5
	निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-	
11(i)	''मेरी लौह-शृंखला काली'' पंक्ति में निहित भाव स्पष्ट करते हुए बताइए कि यह पंक्ति किस स्थिति तथा व्यवहार का परिचय देती है?	2
(ii)	''रसखान कबौं इन आँखिन सौं ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारौं'' पंक्ति में कवि की किस ललक तथा तीव्र अभिलाषा का अनुभव होता है? इसमें निहित भाव को स्पष्ट कीजिए।	2
(iii)	''मरकत डिब्बे सा खुला ग्राम जिस पर नीलम नभ- आच्छादन'' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।	2
(iv)	आँधी और सामान्य हवा में अंतर स्पष्ट कीजिए तथा बताइए कि कबीर ने ज्ञान के आगमन की तुलना हवा से न करके आँधी से क्यों की है?	2

(v)	''खुलेगी सांकल बंद द्वार की'' का भाव स्पष्ट कीजिए तथा बताइए उस साँकल को खोलने का उपाय क्या हो सकता है?	2
12	'मेरे संग की औरतें' पाठ में लेखिका की सभी बहनें उस युग में लीक से हटकर किस प्रकार चलीं? आप उनके व्यवहार को कहाँ तक युक्तिसंगत समझते हैं? समझाकर लिखिए।	5

खण्ड-घ
(लेखन)

दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए-

13(i)	**प्रदूषण** (i) प्रस्तावना (ii) एक भयानक समस्या (iii) प्रकार और कारण (iv) बचाव के उपाय (v) उपसंहार	10
(ii)	**आपदा - प्रबंधन** (i) प्रस्तावना (ii) प्रबंधन का स्वरूप	10

	(iii)	आवश्यकता	
	(iv)	विविध विधियाँ	
	(v)	उपसंहार	
(iii)	**पुराने और नए कृषि-उपकरण**		10
	(i)	प्रस्तावना	
	(ii)	पुराने उपकरण	
	(iii)	मशीनी युग-नए उपकरण	
	(iv)	लाभ-हानि	
	(v)	उपसंहार	
14	अपने मित्र को पत्र लिखकर अपने घर आने का आग्रह कीजिए।		5
15	विगत शनिवार को विद्यालय की बाल-सभा में देशभक्ति गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। अनेक छात्रों ने वाद्ययंत्रों को स्वयं बजाकर सभी को चकित कर दिया। इस अवसर का प्रतिवेदन तैयार करके अपने प्रधानाचार्य जी को प्रस्तुत कीजिए ताकि वह विद्यालय की पत्रिका में छप सके।		5